



चन्दू चौकसे, चोदे बड़े शौक से

“छत पर पानी की टंकी के ऊपर मैं रात को बैठा दारू पी रहा था कि एक लड़की और उसकी भाभी छत पर आई. उन्हें दारू की गंध आ गई तो मुझे बताना पड़ा कि मैं ऊपर हूँ. ...”

Story By: (varindersingh)

Posted: Saturday, October 24th, 2015

Categories: [पड़ोसी](#), [भाभी की चुदाई](#)

Online version: [चन्दू चौकसे, चोदे बड़े शौक से](#)

चन्दू चौकसे, चोदे बड़े शौक से

दोस्तो आज आपको मैं श्रीमान चन्दू चौकसे की कहानी सुनाने जा रहा हूँ, ज़रा ध्यान से सुनना।

मेरा नाम चन्दू चौकसे है, 26 साल का नौजवान हूँ। मुंबई में रहता हूँ एक कंपनी में नौकरी करता हूँ। कुंवारा तो नहीं हूँ, मगर शादीशुदा भी नहीं हूँ।

जिस बिल्डिंग में मैं रहता हूँ वो 4 मंज़िला इमारत है। मैं चौथी मंज़िल पे रहता हूँ।

बिल्डिंग काफी बड़ी है तो और भी बहुत से लोग इसमे किराए पे रहते हैं।

अपने आप में बिज़ी रहने के कारण मैंने कभी किसी से ज़्यादा जान पहचान भी नहीं रखी।

इतवार की छुट्टी होती है इस लिए मेरी आदत है कि अक्सर शनिवार रात को मैं बिल्डिंग की छत पे जाकर बैठ जाता हूँ अपना दारू का पव्वा और नमकीन, चिकन वगैरह लेकर! ऊपर छत से शहर को देखते देखते, पेग शोग लगाते लगाते, वहीं अकेला ही लेटा रहता हूँ। दिल किया तो वहीं सो गया, नहीं तो नीचे अपने कमरे में आकार सो गया।

ऐसे ही एक शनिवार की बात है, मैं छत पे गया, छत पे सीमेंट की बड़ी सारी पानी की टंकी है, मैं उस पर चढ़ गया, अपनी चादर बिछाई, उस पर अपना खाने पीने का समान रखा और बैठ कर दूर सड़क पर आ जा रहे ट्रैफिक को देखने लगा।

मेरे पास शराब का एक पव्वा था, जिसे मैंने दो अलग अलग पव्वों में डाल कर पानी मिक्स करके दो पव्वे बना लिए थे, एक पव्वा मैं आधे के करीब पी चुका था।

रात के करीब 11 बज रहे थे, मौसम बहुत अच्छा था, मैं चुपचाप बैठा था कि सीढ़ियों का दरवाजा खुला और करीब 20 साल की एक लड़की लॉन्ग स्कर्ट पहने और एक औरत करीब 27-28 साल साड़ी में छत पर आई।

दोनों पहले तो जाकर किनारे पे खड़ी होकर नीचे देखने लगी, फिर आकर टंकी के पास खड़ी होकर बातें करने लगी।

फिर आचनक लड़की बोली- भाभी, ऐसे नहीं लगता जैसे कोई यहाँ आस पास शराब पी रहा हो और कुछ नॉन वेज खा रहा हो ?

दोनों ने सारी छत पर देखा मगर उन्हें कोई नहीं दिखा, ऊपर टंकी पर उन्होंने देखा ही नहीं।

भाभी बोली- पर यहाँ तो कोई नहीं है, फिर स्मैल कहाँ से आ रही है ?

पहले तो मैंने सोचा कि छोड़ो परे... क्यों पंगा लेना है, पर फिर सोचा, देख ले पंगा लेकर, अगर पट गई तो चोदने को मिलेगी, नहीं तो वैसे ही थोड़ी देर बात करते हैं, और कुछ नहीं तो ठर्क तो पूरी होगी ही।

यही सोच कर मैंने बोल दिया- यहाँ ऊपर से आ रही है यह खुशबू !

उन दोनों ने चौंक कर एक दम से ऊपर देखा।

जो भाभी थी वो बोली- तुम शराब पी रहे हो ?

मैंने कहा- हाँ।

‘यहाँ पे ?’ वो फिर बोली।

‘क्यों, यहाँ पर क्या दिक्कत है, कोई ऊपर आता नहीं जाता नहीं, 2 साल में आज आप पहले हो जिन्हें मैंने ऊपर आते देखा है।’ मैंने जवाब दिया।

लड़की बोली- तुम पिछले 2 साल से रोज यहाँ बैठ कर शराब पीते हो ?

मैंने कहा- रोज नहीं, सिर्फ शनिवार को, क्योंकि अगले दिन छुट्टी होती है।

उसके बाद दोनों में कोई खुसर फुसर हुई, फिर भाभी ने पूछा- तुम्हारा नाम क्या है ?

मैंने कहा- चन्दू... चन्दू चौकसे !

और फिर थोड़ा धीरे से कहा- चोदे बड़े शौक से...

‘ऊपर क्यों बैठे हो ?’ भाभी ने पूछा ।

‘यहाँ से शहर का नज़र बढ़िया दिखता है ।’ मैंने बताया ।

‘कैसा ?’ लड़की ने पूछा ।

‘ऊपर आकर देख लो !’ मैंने कहा ।

‘कहाँ से ऊपर आऊँ ?’ भाभी ने पूछा ।

‘इधर साइड से आ सकती हो !’ कह कर मैंने उसे रास्ता दिखाया ।

जब वो ऊपर आई तो मैंने अपना हाथ आगे बढ़ाया और वो दोनों मेरा हाथ पकड़ कर टंकी के ऊपर आ चढ़ी, खड़ी होकर देखा तो नज़ारा वाकई बहुत बढ़िया लगा ।

‘वाह भाभी, यहाँ से तो मुंबई कितना सुंदर दिखता है ।’ लड़की बड़ा खुश हो कर बोली ।

मैं बैठ गया तो वो दोनों भी बैठ गई ।

‘यह क्या खा रहे हो ?’ भाभी ने पूछा ।

‘ये चिकन चिल्ली है, ये भुजिया नमकीन लो !’ कह कर मैंने उन्हें भी खाने की ऑफर दी ।

वो दोनों थोड़ी अचकचाई और एक दूसरे की तरफ देखा ।

‘आप लोग खाते नहीं क्या नॉन वेज ?’ मैंने पूछा ।

भाभी बोली- हमारे मायके में तो खा लेते हैं, मगर ससुराल में तो नाम भी नहीं लेते ।

‘और तुम ?’ मैंने लड़की से पूछा ।

वो बोली- जब मैं हॉस्टल में पढ़ती थी, तब अपनी सहेलियों के साथ खाकर देखा था ।

‘कैसा लगा खाने में ?’ मैंने पूछा । ‘बढ़िया था, मगर अपने घर में तो हम खा नहीं सकते !’ वो बोली ।

‘तो यहाँ किसने रोका है, यहाँ खा लो !’ मैंने कहा तो दोनों ने एक एक पीस उठा लिया और खाने लगी ।

‘कैसा लगा ?’ मैंने पूछा ।

‘अरे यह तो बहुत बढ़िया बना है, कहाँ से लाये?’ लड़की ने पूछा।
‘यहीं पास से ही!’ मैंने कहा- कुछ पियोगी?
‘क्या?’ लड़की ने पूछा।

‘मेरे पास तो यहाँ बस यह दारू ही है।’ मैंने कहा।
‘मगर यह तो तुम आधी पी चुके हो!’ लड़की थोड़ा खुल के बोली।
‘अरे नहीं, एक और है मेरे पास अभी!’ कह कर मैंने दूसरा पव्वा अपनी जेब से निकाला और उसके सामने रखा- ये ले लो।

लड़की ने पहले पव्वे की तरफ और फिर अपनी भाभी की तरफ देखा।
‘पहले कभी पी है?’ मैंने लड़की से पूछा।
‘हाँ, हॉस्टल में तो कई बार पी है।’ वो बोली।
‘और आपने?’ मैंने भाभी से पूछा।
‘मायके में 1-2 बार बीयर पी है मगर शराब कभी नहीं पी!’ वो बोली।
‘तो पीकर देखो!’ मैंने उसे थोड़ा ज़ोर देकर कहा।

लड़की ने पव्वा खोला और मुँह लगा कर एक घूंट पिया।
‘ऊँह, यह तो बहुत तेज़ है, पानी नहीं डाला क्या?’ वो बोली।
‘डाला है, पर आधा पानी आधी शराब!’ मैंने कहा और भाभी की तरफ देखा।
उसने लड़की के हाथ से पव्वा पकड़ा और एक घूंट भरी।
उसके भी चेहरे के हाव भाव बदल गए।

मैंने कहा- अगर और पानी डालना है तो टंकी से भर लो।
‘हाँ, यह तो बहुत कड़वी है।’ लड़की बोली।

मैंने उठ कर टंकी का ढक्कन खोला। लड़की ने अपने घुटने टेके और काफी झुक कर टंकी

के अंदर से पव्वे में पानी भरा, वाह क्या शेष बनी उसकी ।

मैंने मन में सोचा कि अगर इस साली को घोड़ी बना कर चोदने को मिले तो इसको इसी आसान में चोदूँ ।

बेशक हल्की हल्की हवा चल रही थी मगर इतनी तेज़ नहीं की उसकी स्कर्ट ऊपर उड़ा दे, जबकि मैं चाहता था हवा से उसकी स्कर्ट उड़े और मैं उसके गोल चूतड़ों के दर्शन कर सकूँ ।

जब मैं उसकी गांड की गोलाई को घूर रहा था, तो भाभी मेरी तरफ देख रही थी कि मैं उसकी ननद के जिस्म को अपनी आँखों से पी रहा हूँ ।

मैंने भाभी की आँखों में देखा, पर वो कौन सा मेरी कुछ लगती थी, मैं फिर से लड़की के गोल चूतड़ निहारने लगा ।

पानी भर के लड़की सीधी हुई, मैंने टंकी का ढक्कन बंद कर दिया ।

इस दोनों ने फिर से पव्वे से एक एक घूंट भर कर देखी, पर इस बार उन्हें स्वाद ठीक लगा ।

हम तीनों आपस में बातें करने लगे और अगले 15-20 मिन्ट में ही हमने अपने अपने पव्वे खाली कर दिये ।

मैंने महसूस किया के उस लड़की और उसकी भाभी को दोनों को सुरू हो गया था ।

भाभी ने टाइम देखा- ओ तेरे की, 12 बज गए, चल जल्दी चल !

वो दोनों उठी और नीचे देख कर बोली- अरे बाप रे, अब हम नीचे कैसे उतरेंगी ।

मैंने कहा- नो प्रॉब्लम, मैं उतार देता हूँ ।

पहले मैं नीचे उतरा और उसके बाद उन दोनों को कमर से पकड़ कर नीचे उतारा ।

जब लड़की को नीचे उतारा तो मैंने उसकी जांघों को छू कर देखा, मगर उसने इस बात को नोटिस नहीं किया ।

जब भाभी को नीचे उतारा तो मैंने जानबूझ कर ऐसे उतारा के उसका सारा बदन मेरे बदन मेरे बदन से छूता, रगड़ता घिसटता हुआ नीचे आया, और जब उसके पाँव नीचे लग गए

तो मैंने उसको अपने सीने लगा लिया ।

वो मेरी शरारत समझ गई मगर उसने बुरा नहीं माना, मेरी आँखों में देखा और मुस्कुरा कर चली गई ।

‘तो अगले शनिवार ?’ मैंने कहा ।

दोनों ने पलट कर देखा और लड़की बोली- पक्का ।

मैंने भी अपना समान उठाया और जा कर अपने कमरे में सो गया ।

अगले शनिवार मैंने पक्के की जगह अद्धा लिया, चिकन, नमकीन, बर्फ इत्यादि सब समान लेकर 10 बजे ही छत पर चला गया ।

करीब आधे घंटे बाद वो दोनों आई ।

लड़की ने तो वैसे ही लंबी सी स्कर्ट पहन रखी थी मगर भाभी ने आज नाईटी पहनी थी ।

मैंने दोनों को हाथ देकर ऊपर टंकी पर चढ़ाया । जब लड़की को चढ़ाया तो सहारा देने का बहाना करके मैंने उसके कूल्हे को छू कर देखा, स्कर्ट के नीचे मुझे उसकी पेंटी पहनी महसूस हुई ।

भाभी मेरी हर हरकत पे नज़र रख रही थी ।

जब मैंने भाभी को ऊपर खींचा तो उसके भी कूल्हे पे हाथ लगा कर देखा, नाईटी के नीचे उसने पेंटी नहीं पहनी थी ।

ऊपर चढ़ते हुये भाभी ने मेरे कान में बोल भी दिया- मैं नहीं पहनती ।

मतलब साफ था भाभी को मेरे इरादों की खबर थी । ऊपर बैठ कर हमने अपना कारोबार शुरू कर दिया ।

‘उस दिन ठीक रहा ?’ मैंने पूछा ।

‘अरे बहुत बढ़िया ! लड़की बोली ।

‘और आपका ?’ मैंने भाभी से पूछा ।

‘ठीक था !’ वो बोली ।

‘घर में किसी को पता तो नहीं चला ?’ मैंने पूछा ।

‘अरे नहीं, योगिता (वो लड़की) तो अपने कमरे में जा कर सो गई, और मेरे ये तो खुद इतनी पी कर आते हैं, कि उनको किसी चीज़ का होश ही नहीं रहता !’ भाभी बोली ।

मैंने अद्धा निकाल कर भाभी को दिया- लो सील आप तोड़ो ।

उसने कोशिश की मगर उससे सील नहीं टूटी ।

मैंने अद्धा वापिस ले लिया- यह सील तोड़ना तो मर्दों का ही काम है ।

मैंने शरारत भरे लहजे में भाभी से कहा ।

‘अच्छा, आज तक कितनी सीलें तोड़ी हैं ?’ भाभी ने पूछा ।

‘एक तो आज ही तोड़ दूँ, अगर मौका मिले, बाकी खुली बोतल से भी पीने को मिल जाए तो मुझे कोई ऐतराज नहीं !’ मैंने भाभी को कहा ।

मगर मुझे पता था कि वो समझ रही थी कि मैं क्या कहना चाहता हूँ ।

मैंने बोतल की सील तोड़ी, और तीन डिस्पोज़ेबल गिलासों में तीन छोटे छोटे पेग बना कर डाले ।

मैंने पूछा- यह बताओ, आप लोगों को मेरे साथ यूँ पेग लगाने का क्या शौक चढ़ा ?

तो भाभी बोली- दरअसल, दिल तो बहुत सी औरतों का करता है, अब हाई सोसाइटी में तो सब पीती हैं, कोई ऐतराज नहीं करता, मगर मिडल क्लास में औरतों का शराब पीना बहुत बुरा माना जाता है इसी वजह से मिडल क्लास औरतें न तो पीती हैं, बल्कि पति के पीने पे भी ऐतराज करती हैं, मैं बहुत से अपनी रिश्तेदार औरतों को जानती हूँ, जो सिर्फ इस वजह से अपने पति के पीने का विरोध करती हैं, क्योंकि वो खुद नहीं पी पाती, अगर मिडल क्लास में औरतों के शराब पीने का किसी को कोई ऐतराज न हो तो बहुत सी औरतें ऐसी हैं,

जो पीना शुरू कर देंगी।

उसकी बात सुन कर हम तीनों हंस पड़े। बात करते करते मैंने तीनों पेग तैयार कर लिए थे, गिलासों में पेग डालने के बाद मैंने उनमें

पानी डाला, बर्फ डाली और तीनों ने 'चीयर्ज' कह कर एक एक घूंट पी और गिलास नीचे रख दिये।

सबने एक एक पीस चिकन का उठाया और खाने लगे।

'आप लोगों के तो घर में भी शराब आती है तो मेरे साथ एक अंजान आदमी के साथ पीने का कैसे मन कर गया?' मैंने पूछा।

भाभी बोली- मेरे ये तो रोज़ ही पी कर आते हैं, कभी कभी मुझे भी ज़बरदस्ती पिला देते हैं, मैंने जब भी पी है, इसका सुरूर मुझे अच्छा लगा है।

'और तुम्हें?' मैंने लड़की से पूछा।

वो बोली- मैंने हॉस्टल में अपनी सहेलियों के साथ पी है कई बारी, कभी कभी पीनी तो कोई बुरी नहीं!

वो मस्त हो कर बोली।

'मैं तो हर हफ्ते यह प्रोग्राम बनाता हूँ, क्या हर हफ्ते आया करोगी?' मैंने पूछा।

'तुम बंदे ठीक लगे, इसलिए चाहो तो हर हफ्ते बना लिए करो!'- भाभी बोली।

मैंने कहा- मगर आपको तो घर में भी मिलती है।

'अरे घर में सास ससुर भी तो हैं, उनको पता चल गया तो मुसीबत होगी। यहाँ किसी को क्या पता चलना है, चुपचाप आए, एक एक लगाया और जाकर सो गए, बात खल्लास! भाभी ने कहा।

जब एक एक पेग खत्म हो गया, तो मैंने सोचा अब ज़रा काम की बात की जाए।

मैंने बोटल लड़की को दी और बोला- योगिता, ये पेग तू बना!

उसने बोतल पकड़ी और पेग बनाने लगी।

मैंने भाभी से कहा- अब जब हम दोस्त बन गए हैं तो क्यों न आपस में अपने अपने सीक्रेट्स भी शेयर करें।

‘क्या सीक्रेट्स?’ भाभी ने पूछा।

मैंने कहा- जैसे मैंने सबसे पहली बार, ग्यारहवीं क्लास में सबसे पहले किसी लड़की को किस किया था, और आप दोनों ने?

लड़की बोली- मैंने तो दसवीं क्लास में ही किस कर लिया था और कई बार किया था सारे साल में!

मैंने भाभी से पूछा- और आपने?

भाभी ने पहले लड़की की तरफ देखा, अब अगर वो सच बोलती तो उसकी ननद को पता चल जाता कि उसकी भाभी कितनी चालू है। ‘घबराओ नहीं, योगिता किसी को नहीं बताएगी।’ मैंने कहा।

थोड़ा आश्वस्त होकर भाभी बोली- मैंने कॉलेज में सबसे पहला किस किया था।

‘और सबसे पहला सेक्स?’ मैंने तभी पूछा।

भाभी हंस दी, मतलब साफ था, सेक्स भी उसने शादी से पहले किया था, मगर वो बोली नहीं।

लड़की बोली- क्या भाभी, अगर किया भी है तो क्या फर्क पड़ता है, मैंने अब तक दो बार किया है, इसमें दोस्तों से छुपाने वाली बात क्या है और चन्दू तो अपना यार है।

‘हाँ बिल्कुल! मैंने हाँ में हाँ मिलाई।’

भाभी बोली- मैंने ग्रेजुएशन के दौरान पहली बार सेक्स किया था, अपने बॉय फ्रेंड के साथ।

‘तो ग्रेजुएशन तो तीन साल की होती है!’ मैंने पूछा।

‘हाँ तो तीन साल लगातार किया न!’ भाभी हंस कर मगर शरमा कर बोली।

‘और तुमने?’ लड़की ने मुझसे पूछा।

‘अरे मैंने तो बहुत किया है, मगर काफी देर से अकेला रह रहा हूँ, मगर देखो मेरी किस्मत, न मेरी कोई भाभी है न कोई दोस्त जो कह दे के चन्दू आ मेरे से कर ले!’ मैंने भी अपना तीर चलाया के देखें किसे लगता है।

दोनों ननद भाभी हंस पड़ी। भाभी बोली- तो तुम किस को चाहते हो ?

मैंने कहा- जो भी मान जाए, अपन तो हर दम तैयार रहते हैं, ये देखो !

कह कर मैंने अपने बरमुडे के ऊपर से अपना लन्ड पकड़ कर उनको दिखा दिया, अब दो अंजान औरतों से ऐसी सेक्सी बातें करते मेरे लन्ड ने भी होशियारी पकड़ ली थी।

दोनों ननद भाभी ने एक दूसरे की आँखों में देखा, जैसे एक दूसरे को पूछ रही हो, पहले तू चुदेगी या मैं लूँ पहले।

मैंने मौके की नज़ाकत को समझते हुए अपना पेग खतम किया और बोला- अरे जल्दी करो भाई, मेरा तो खत्म हो गया, अपने अपने गिलास खाली करो।

मगर दोनों ननद भाभी चुप सी हो गईं।

मैं सोच रहा था, शायद या तो इन्हें मेरी बात बुरी लगी है, या फिर ये फैसला नहीं कर पा रही कि दोनों ननद भाभी हैं, एक दूसरे के सामने नंगी कैसे हो और किसी गैर मर्द से कैसे चुदवाएँ।

मगर भाभी ने चुप्पी तोड़ी- मगर ये सब कैसे हो सकता है वो भी यहाँ पे, वो क्या नाम है तुम्हारा ?

‘चन्दू...’ मैंने कहा- चन्दू चौकसे, चोदे बड़े शौक से।

दोनों बड़ा हंसी- ये क्या है ?

मैंने कहा- मेरा तकिया कलाम है।

अब दो दो पेग तो सब के अंदर जा चुके थे सो सभी दिलेर हो चुके थे।

लड़की बोली- देखो दोस्त, भाभी के पास तो भैया है, मेरे पास इस कोई बॉय फ्रेंड नहीं, तुम्हारे पास कोई गर्ल फ्रेंड नहीं, तुम चाहो तो मुझसे कर सकते हो, पेग ने मेरा भी मूड बना दिया है।

मैंने सबके गिलास में एक एक पेग डाला और बोला- इस पेग के खत्म होने पर डिसाइड होगा कि कौन मेरी तनहाई दूर करेगी, ननद या भाभी !

मैंने अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया कि मुझे तो चोदना है, दोनों में से जो भी चुदना चाहे तैयार हो जाए।

तीनों ने गटागट गिलास खाली कर दिये, वैसे भी दारू खत्म हो चुकी थी।

लड़की बोली- भाभी देखो, पिछले 6 महीने से मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं है, और तुम भैया से करो न!

भाभी चुप कर गई।

मैं थोड़ा सा लड़की की तरफ बढ़ा और मैंने गले के पीछे से अपनी बांह घुमई और उसका चेहरा अपने पास खींचा।

दारू ने लड़की को दिलेर कर दिया था, उसने खुद अपने होंठ मेरे होंठो से मिला दिये।

मैंने उसके होंठ चूसने शुरू कर दिये तो उसने अपनी जीभ से मेरे होंठो को चाटा। मैंने भी अपनी जीभ से उसके होंठ चाटे तो लड़की ने हाथ बढ़ा कर मेरा लन्ड पकड़ लिया और मैंने अपना बरमूडा और चड्डी दोनों उतार दिये।

भाभी ने जो खाने पीने का सामान रखा था वो साइड पे करके हम दोनों के लिए लेटने की जगह बना दी। मैंने लड़की को सीधा करके नीचे लेटाया और उसकी स्कर्ट को धीरे धीरे ऊपर उठाया, पहले उसके घुटने और फिर उसकी चिकनी जांघें मेरे सामने प्रकट हुईं। वो दोनों टाँगे जोड़ कर लेटी थी, उसकी गुलाबी पेंटी के नीचे दो गोरी चिकनी जांघें बहुत मस्त लग रही थी।

मैंने उसकी चड्डी के दोनों किनारों से पकड़ कर उसकी चड्डी नीचे खिसका कर पूरी ही उतार दी।

हल्की झांट वाली उसकी गोरी चूत। मैंने उसकी चूत पे एक चुंबन लिया और उसकी दोनों टाँगों खोली, खुद को उसकी टाँगों के बीच में सेट किया और उसकी स्कर्ट और ऊपर उठा कर उसको दोनों बूब्स भी बाहर निकाल लिए।

उसके बूब्स गोरे थे, सुंदर थे, मगर छोटे थे, मगर भाभी के चूचे बड़े और मस्त थे।

मैंने भाभी के सीने पे हाथ लगाया, वो बोली- मुझ से क्या चाहते हो, इस से ही कर लो!

मैंने उसका गुस्सा भाँप लिया और बोला- अरे भाभी, आपके बिना कुछ हो सकता है, आप भी हमारी दोस्त हो और हमारे बीच हो, आपको हम नहीं छोड़ेंगे।

भाभी मुस्कुरा पड़ी तो मैंने उसके दोनों बूब्स पकड़ कर दबाये, मज़ा आ गया, नाईटी के नीचे उसने ब्रा भी नहीं पहनी थी, नर्म, मुलायम बोबे।

योगिता ने मेरा लन्ड अपने हाथ में पकड़ा और अपनी चूत पे खुद ही सेट कर लिया, मगर मैंने कहा- अरे नहीं, अभी यय सूखा है, भाभी इसे आप थोड़ा गीला कर दो!

कह कर मैंने भाभी का मुँह अपने लन्ड की तरफ खींचा तो भाभी खुद ही आगे आ गई और उसने मेरा लन्ड पकड़ कर अपने मुँह में लिया और थोड़ी देर चूसा और उसे पूरी तरह से थूक से गच्च कर दिया।

थूक से भीगा लन्ड मैंने लड़की की चूत पर रखा और अंदर डाल दिया।

वो तो पहले सी ही चुदी थी सो लन्ड आराम से अंदर चला गया।

जैसे ही लन्ड उसकी चूत में अंदर तक घुसा, उसके मुँह से एक लंबी सी आह निकली। मैंने धीरे धीरे अपनी कमर चलानी शुरू की। मेरा लन्ड लड़की की चूत में पूरा टाइट जा रहा था।

भाभी ने अपने चूतड़ों के नीचे से अपनी नाईटी निकाली और योगिता के साथ में लेट गई।

उसने भी अपनी नाईटी ऊपर तक उठा ली और अपने हाथ की उंगली से अपनी चूत को मसलने लगी।

मैंने अपन टी शर्ट उतार दी और बिल्कुल नंगा हो गया।

टाइट चूत ने मुझे पूरा गरम कर दिया था, मैं ज़ोर ज़ोर से लड़की को चोदने लगा।

प्यासा मैं भी था प्यासी लड़की भी थी, तो पाँच मिनट में ही हम दोनों झड़ गए। मैंने अपना सारा वीर्य लड़की की चूत में ही झाड़ दिया। मैंने लन्ड बाहर निकाला और एक तरफ बैठ गया, क्योंकि मेरे लेटने की जगह नहीं थी।

मेरे बाद योगिता भी उठ कर बैठ गई और उसने अपने कपड़े भी पहन लिए, मगर भाभी अभी भी हमारे सामने लेटी अपनी चूत रगड़ रही थी।

मैंने कहा- भाभी लगता है अभी शांत नहीं हुई है।

वो बोली- साले तुमने शांत किया है मुझे जो मैं शांत हूंगी ?

मैंने अपने लन्ड को पकड़ा और थोड़ा सा सहला कर फिर से भाभी की चूत पे रख दिया। चाहे अभी मेरा लन्ड पूरी तरह से ढीला हुआ पड़ा था, मगर मैंने जैसे तैसे उसे भाभी की चूत में ठूस दिया।

अंदर घुसा और जब कमर चलाई तो लन्ड फिर से अकड़ने लगा।

थोड़ी देर में मैं फिर से चुदाई कर रहा था।

मगर इस बार तो पूछो मत, वो पेला भाभी को वो पेला भाभी को, उसकी तो बस करवा दी।

उसके बड़े बड़े उरोज दबा दबा कर, उसके होंठ चूस चूस कर मैंने उसको वो धोया के योगिता भी बोल उठी- मेरे साथ तो इस तरह किया नहीं, भाभी को बड़ा प्यार से कर रहे हो, टाइम भी ज्यादा लगा रहे हो ?

मैंने कहा- चिंता मत कर, तू इतने दिनों बाद मिली थी, तो जल्दी झड़ गया, अब भाभी को आराम से मज़े ले ले कर चोदूँगा। अगली बार जब तुझे चोदूँगा न, तो अगर तेरी जीभ

बाहर न निकाल दी तो मेरा नाम नहीं ! जानती है मेरा नाम है चन्दू, चन्दू चौकसे, चोदे बड़े शौक से !

alberto62lopez@yahoo.in

Other stories you may be interested in

यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-2

सेक्सी हिंदी कहानी के पहले भाग में आप ने पढ़ा कि मैं फोन पर आशीष के साथ चुदाई की बातों में लगी हुई थी और इधर मेरे जीजा मेरी चूत चाटने के बाद ऊपर की ओर बढ़ आये थे. उन्होंने [...]

[Full Story >>>](#)

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-13

अब तक इस सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि नम्रता और मैं, हम दोनों अपने अपने पार्टनर के साथ रात को चुदाई कर चुके थे. नम्रता मुझे अपने पति के संग हुई चुदाई के बारे में सुनाने में लगी थी. [...]

[Full Story >>>](#)

ममेरे भाई ने मेरी कुंवारी चूत की चुदाई की-2

मेरी चूत चुदाई की कहानी के पहले भाग ममेरे भाई के साथ मेरी कुंवारी चूत की चुदाई-1 में अब तक आपने पढ़ा कि मेरे ममेरे भाई अर्पित ने मेरे मामा मामी की गैरमौजूदगी में मुझे सेक्स के लिए पटा लिया [...]

[Full Story >>>](#)

बड़े चूचों वाली स्टूडेंट की चुदाई

हैलो ! नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सन्दीप सिंह है. मैं भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले का रहने वाला हूं। मेरी हाइट करीब 5.7 फीट है। मैं सदैव व्यायाम करता हूं। जिससे मेरा शरीर बिल्कुल फिट है। [...]

[Full Story >>>](#)

प्यासी भाभी की चूत में लगाई खुशी की चाबी

अन्तर्वासना के सभी यूजर्स को मेरा नमस्कार ! मैं नितीश कुमार मेरठ उत्तर प्रदेश से हूं और अन्तर्वासना पर हर रोज़ आने वाली कहानियों को पढ़ता रहता हूं। आज मैं आप सब के बीच अपनी कहानी लेकर आया हूं। कहानी लिखने [...]

[Full Story >>>](#)

